ॐ

भारतीय कुष्ट निवारण संघ, कात्रेनगर चांपा

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक- 2 सितंबर 2019

बापट जी ने सिद्धान्तों को आचरण का हिस्सा बनाया - भैया जी जोशी

बिलासपुर। बापट जी सिद्धान्तों को जीवन का हिस्सा मानकर चलते थे। उन्होंने सिद्धान्तों को केवल शब्दों में नहीं रहने दिया बल्कि उसका अपने जीवनपर्यन्त पालन किया। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह भैया जी जोशी ने पदमश्री दामोदर गणेश बापट जी की श्रंद्धाजलि सभा में कही। कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को दयालबंद स्थित महाराजा रणजीत सिंह सभागार में भारतीय कुष्ट निवारण संघ, कात्रे नगर चांपा के द्वारा हुआ।

भैया जी जोशी ने बापट जी को याद करते हुए कहा कि साधना के मार्ग पर चलते हुए बापट जी को प्रेरणा मिली। कुष्ठरोगी स्वाभिमान और सम्मान से जीवन जीएं इसके लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। बापट जी ने इस मार्ग को प्रशस्त किया। ऐसे रोग से पीड़ित व्यक्ति को अपमानित जीवन का आभास न हो इस बात का समाज को ध्यान रखना चाहिए। बापट जी के मन में समाज की एकात्मता का भाव था। वे सामाजिक कार्य के लिए पूर्णतः समर्पित थे तथा हर बाधा में एक रास्ता देखते थे। उन्होंने कुष्ठरोगियों के जीवन को सम्मानजनक बनाने के लिए स्वावलंबन का रास्ता बनाया।

इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की सह सर कार्यवाहिका सुश्री सुलभा ताई देशपांडे ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बालिकाओं की शिक्षा के लिए उन्होंने बहुत सघन प्रयास किया। बिलासपुर में स्थित तेजस्विनी बालिका छात्रावास उन्हीं की देन है। उन्होंने बापट जी को समर्पित करते हुए एक गीत का भी गान किया साथ

ही उन्होंने राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व सर संघचालिका वंदनीय प्रमिला ताई मेढे जी का शोक पत्र भी पढ़कर सुनाया।

मध्य क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक श्री दीपक विस्पुते जी ने बापट जी को याद करते हुए कहा कि कुष्ट रोग का नाम सुनकर लोगों का मन कांप जाता है लेकिन बापट जी जैसे महान व्यक्तित्व ने इसे ईश्वरीय कार्य माना और उन्हें हर मुश्किलों से निकलने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया। उन्होंने बापट जो को रामकृष्ण परमहंस का अवतार बताया।

सक्षम के पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ कमलेश जी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बापट जी मानवता के अभूतपूर्ण उदाहरण थे। उन्होंने एक जीवन, एक ध्येय रखकर जीवन जिया। बापट जी के जीवन का हर एक क्षण प्रेरणा का स्रोत है।

श्रंद्धाजलि सभा में महामहीम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व सर संघचालिका प्रमिला ताई मेढे, कुष्ट निवारक केंद्र आनंदवन महाराष्ट्र के प्रमुख श्री विकास आम्टे व विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत जी का श्रद्धांजलि संदेश सुप्रिया जी ने पढ़कर सुनाया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना भारतीय कुष्ट निवारक संघ चांपा के सचिव श्री सुधीर देव जी ने प्रस्तुत की । कार्यक्रम का संचालन श्री बृजेन्द्र शुक्ल जी ने किया। सुश्री शाम्भवी ने 'वैष्णव जन' भजन गान किया।

इस अवसर पर संघ के क्षेत्रीय व प्रांतीय अधिकारियों में क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्री शिवराम समदरिया जी, संपर्क प्रमुख अनिल जी, प्रान्त संघ चालक श्री बिसराराम यादव जी, प्रान्त सह संघ चालक डॉ पूर्णेन्द्रू सक्सेना जी, विभाग संघचालक श्री काशीनाथ गोरे जी , प्रान्त प्रचारक श्री प्रेम शंकर सिदार जी, सह प्रान्त प्रचारक नारायण नामदेव जी, विद्यार्थी परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री चेतस सुखाड़िया जी, प्रफुल्ल अकान्त जी , प्रांत संगठन मंत्री आदिशेषु जी, सांसद श्री अरुण साव जी, अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंद कुमार साय जी, नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक जी सहित सभी क्षेत्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी

उपस्थित रहे। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मातृ शक्ति व गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिती दर्ज कर बापट जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।